Source StylesFormat

Swami Vivekanand Govt. PG College Harda (M.P.)

AQAR 2022-23

CRITERION -7

Swami Vivekanand Govt. PG College Harda (M.P.)

AQAR 2022-23
Criterion 7.3.1

S. No.	Name of Supporting Documents	Page No.
1.	Photos	1-3
2	News paper Cutting	4
3	skill development Program Certrificate	5
4	Self defence photo	6
5	Certificate	7
6	photos	8-9
7	News paper cutting	10

LISTEN TO

वर्ष 20 ■ अंक 184
पृष्ठ 8+4=12 ■ मूल्य-5.00
भोपाल
■ शनिवार ■ 4 फरवरी 2023
माघ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत्-2079
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या - म.प्र. 4-506/2020-22

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

दैनिक
समय जगत

भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

प्रधान संपादक : गीता अशोक त्रिपाठी

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

कार्यशाला से विद्यार्थियों का हुआ कौशल विकास : प्राचार्य

समय जगत,हरदा ।

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना (रूसा) के अंतर्गत दस दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कौशल और दक्षता हेतु कार्यशाला का आयोजन विगत 21 जनवरी से 2 फरवरी तक किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए संस्था की प्राचार्य डॉ संगीता बिले ने कहा कि यह कार्यशाला भारत और मध्यप्रदेश शासन की नई शिक्षा नीति के तहत व्यवसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अगली कड़ी में बोलते हुए रुसा प्रभारी और कला संकाय प्रभारी डॉ धीरा शाह ने कहा कि यदि भारत को वास्तव में विश्व की महाशक्ति और विश्व गुरु बनना है तो उसे अपने विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी और कौशल युक्त शिक्षा देना होगा जिससे विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति उत्सुकता और रुचि जागृत हो। वर्कशॉप का कुशल संचालन और निर्देशन अजय नागर द्वारा किया गया और उनका सहयोग तौकीर खान मलिक द्वारा किया गया। इस वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रिकल से जुड़े हुए विभिन्न उपकरणों जैसे पंखा रिपेयरिंग, बोर्ड रिपेयरिंग, मोटर वाइंडिंग, घरेलू बिजली वायरिंग, घरेलू टॉर्च और एलईडी बल्ब आदि विभिन्न इलेक्ट्रिकल टूल्स का व्यवहारिक प्रयोग कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस में विद्यार्थियों को पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट का भ्रमण कराया गया एवं अभिषेक ग्रीन वैली में हाउस वायरिंग की बारीकियों का निरीक्षण कराया गया। इस कार्यशाला में समय समय पर डॉ निर्मला डोंगरे, डॉ रश्मि सिंह, डॉ सी पी गुप्ता, डॉ धर्मेंद्र कोरी, यशवंत अलावा, बसंत राजपूत और डॉ सावेंद्र पटेल ने भी प्रशिक्षुओं को प्रोत्साहित और प्रेरित किया। कार्यशाला में शामिल विद्यार्थियों और प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए डॉ दीप्ति अग्रवाल ने कहा की इस कार्यशाला से विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन के लिए उपयोगी और परिवार को चलाने लायक धन अर्जित करने का कौशल सीखकर जा रहे हैं जो उन्हें समाज में एक नया सम्मान दिलाने में सहयोगी सिद्ध होगा और हम उम्मीद करते हैं कि अगली बार जब इस प्रकार का कोई अन्य प्रशिक्षण होगा तो इसमें और ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
स्वामी विवेकानन्द शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
हरदा (म.प्र.)
आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश एवं अकादमिक उत्कृष्टता
के अन्तर्गत
10 दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कार्यशाला
केवल छात्र हेतु
वर्ष -2022-23
सौजन्य विश्व बैंक परियोजना एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
हरदा (म.प्र.)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

युवा सारथी प्रशिक्षण

20 सितम्बर 2023, बुधवार

प्रायोजक : उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

आयोजक : स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदा (म.प्र.)

आज़ादी का अमृत महोत्सव
स्वामी विवेकानन्द शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
हरदा (म.प्र.)
आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश एवं अकादमिक उत्कृष्टता
के अन्तर्गत
10 दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कार्यशाला
केवल छात्र हेतु
वर्ष -2022-23
सौजन्य विश्व बैंक परियोजना एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

वर्ष 20 ■ अंक 209
पृष्ठ 8+4=12 ■ मूल्य-5.00
भोपाल
■ गुरुवार ■ 2 मार्च 2023
फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी
विक्रम संवत्-2079
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या - म.प्र. 4-506/2020-22

दैनिक
समय जगत

भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

प्रधान संपादक : गीता अशोक त्रिपाठी

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विविध आयाम विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का हुआ आयोजन

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने से सशक्त होगा राष्ट्र

समय जगत,हरदा। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विविध आयाम विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ सुनील कुमेटी, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा अनुसार अतिथियों के स्वागत से किया गया। स्वागत भाषण में संस्था की प्राचार्य डॉ संगीता बिले ने नई शिक्षा नीति की विशेषता बताते हुए समस्त अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति में पाठ्यक्रम की सीमाओं और बंधनों के खत्म होने का जिक्र किया। कार्यक्रम की रूपरेखा महाविद्यालय के प्रशासकीय अधिकारी श्री के बिछौतिया ने बताई, उन्होंने कहा की भारतवर्ष में मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है जिसने पूर्ण रूप से नई शिक्षा नीति को लागू किया है। इस नीति से विद्यार्थी अपनी दक्षता को बढ़ाकर अपने जीवन को स्वर्णिम बना सकेंगे। मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ सुनील कुमेटी का परिचय डॉ रश्मि सिंह के द्वारा दिया गया। शासकीय महाविद्यालय सिरोली के प्राचार्य डॉक्टर पी सी काशिव ने इस संदर्भ में कहा कि देश में रोजगार कैसे उत्पन्न हो यह शिक्षा नीति की मुख्य विशेषता है। इसमें वोकेशनल कोर्सेस के समावेश करके रोजगार की संभावनाएं बताई गई हैं। शासकीय महाविद्यालय टिमरनी के प्राचार्य डॉ जे के जैन ने नई शिक्षा नीति की विशेषता बताते हुए कहा की यह नीति भारत के प्राचीन ज्ञान को आत्मसात करेगी, जैसे एक समय में ढाका के मलमल की साड़ी एक माचिस में रखी जाती थी या भारत में प्राचीन इमारतें विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं। यही प्राचीन ज्ञान हमें फिर से प्राप्त कराने की व्यवस्था नई शिक्षा नीति में की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ सुनील कुमेटी ने नेल्सन मंडेला को संदर्भित करते हुए कहा कि किसी देश को यदि नष्ट करना हो तो एटम बम की आवश्यकता नहीं है उस देश की शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर दो वह अपने आप नष्ट हो जाएगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति क्यों लागू की गई इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी को आधार बनाया जिसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहा कि देश में शिक्षा का स्तर तो बढ़ते जा रहा है किंतु मानवीय मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं तथा शिक्षित होने वाले विद्यार्थी एग्रेसिव नेचर के होते जा रहे है। उन्होंने बताया कि पुरानी शिक्षा पद्धति में रोजगार नहीं थे तथा ड्रॉप आउटस रेट भी बहुत ज्यादा था। किंतु नई शिक्षा नीति में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम लागू होने से जहां इतिहास की कक्षा में केवल 15 विद्यार्थी बैठते थे वहां अब लगभग 300 विद्यार्थी बैठने लगे हैं। किंतु उन्होंने इस बात पर चिंता जताई की अभी भी हम शिक्षा के क्षेत्र में अपनी जीडीपी का 3प्रतिशत से भी कम उपयोग में ला रहे हैं। जबकि इसे 6प्रतिशत होना चाहिए। उन्होंने रिसर्च में भी अपनी शिक्षा पद्धति में कमियों को उजागर किया। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदा, जिले के सभी महाविद्यालयों और प्रदेश के अनेक शोधार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अपने-अपने शोध पत्रों का वाचन किया। सबसे अंत में आभार सेमिनार की संयोजक, रूसा प्रभारी एवं कला संकाय प्रभारी डॉ धीरा शाह के द्वारा प्रस्तुत किया गया।साथ ही सेमिनार शोध पत्रिका के संपादन हेतु शुभकामना संदेश हेतु कमल पटेल मंत्री मध्यप्रदेश शासन, सांसद डीडी उइके, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष, नगरपालिका अध्यक्ष, कलेक्टर ,विधायक टिमरनी, आदि का भी आभार व्यक्त किया। मंच का सफल संचालन बसंत सिंह राजपूत और डॉ राकेश सिंह परस्ते द्वारा किया गया।